भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान राँची
Indian Institute of Information Technology Ranchi
(An Institute of National Importance under an Act of Parliament)
Ranchi, Jharkhand, India

IIIT Ranchi Director's vision for Jharkhand 2040

दैनिक भास्कर रांची 05-11-2025

झारखंड विजन 2040 नया झारखंड... नायक झारखंड

आईआईआईटी रांची के निदेशक बोले- झारखंड की सांस्कृतिक, प्राकृतिक संपदाओं को ध्यान में रख विकास मॉडल बने...

स्टार्टअप, इनोवेशन और शोध ही झारखंड की प्रगति के स्तंभ

प्रो. राजीव श्रीवास्तव
निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची

प्रो. श्रीवास्तव सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटर विजन, मशीन एवं डीप लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी और डिफेंस सिस्टम्स जैसे क्षेत्रों में ढाई दशकों से अधिक का शैक्षणिक एवं शोध अनुभव रखते हैं। उनके 200 से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों और कॉन्फ्रेंसेज में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने 5 शोध संदर्भ पुस्तकें, कई पुस्तक अध्याय लिखे हैं और अब तक 19 पीएच. डी. शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं। प्रो. श्रीवास्तव के नाम पर 2 पेटेंट स्वीकृत और 2 पेटेंट प्रकाशित हैं।

आईआईआईटी रांची ने शोध के क्षेत्र में कई पहल की है, जो यहां के युवाओं को नवाचार में मदद करेगा

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) रांची के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि झारखंड को स्टार्टअप, इनोवेशन, शोध और तकनीकी प्रगति का केंद्र बनाकर ही झारखंड को आत्मनिर्भर और विकसित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'झारखंड विजन 2040' के तहत युवा सशक्तीकरण, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना ही राज्य के समग्र विकास की कुंजी है। उच्च शिक्षण संस्थानों की यह जिम्मेदारी है कि वे शिक्षण, शोध और उद्योग के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करें, जिससे नई तकनीकों के विकास और रोजगार सृजन को बल मिले। उन्होंने कहा कि आईआईआईटी रांची का प्रयास है कि संस्थान की गतिविधियां भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे मिशनों के अनुरूप आगे बढ़ें। झारखंड में तकनीकी, शोध और नवाचार आधारित विकास की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड एजुकेशन हब बन सकता है। यहां आईआईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, बीआईटी समेत कई अच्छे संस्थान हैं। यदि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और स्मार्ट सिस्टम जैसे क्षेत्रों को विकास के केंद्र में रखें तो राज्य के युवा न केवल नौकरी पाने वाले, बल्कि नौकरी देने वाले बन सकते हैं। आईआईआईटी, रांची अपने विद्यार्थियों में तकनीकी उत्कृष्टता, शोध, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करते हुए एक आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और प्रगतिशील झारखंड के निर्माण में सतत प्रयासरत है।

स्टार्टअप मॉडल विकसित करने में सहयोग कर रहा संस्थान

आईआईआईटी रांची में स्थापित नवाचार एवं उद्भवन प्रकोष्ठ (आईआईसी) छात्रों को अपने विचारों को स्टार्टअप मॉडल में विकसित करने के लिए सहयोग प्रदान करता है। संस्थान ने कई स्टार्टअप और उद्यमशीलता कार्यशालाएं, हैकथॉन और इनोवेशन चैलेंज आयोजित किए हैं, जिनसे छात्रों में उद्यमशील मानसिकता और नेतृत्व कौशल का विकास हुआ है।

उद्योग-अकादमिक साझेदारी और शोध को साथ लाना जरूरी

प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान झारखंड की सांस्कृतिक, प्राकृतिक व आर्थिक संपदाओं को ध्यान में रख एडवेंचर टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबल डिजिटल सॉल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में शोध और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। यदि नीतिगत सहयोग, उद्योग-अकादमिक साझेदारी, कौशल आधारित शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण शोध को साथ लाया जाए, तो झारखंड सबसे नवोन्मुखी राज्यों में शामिल हो सकता है।

Dainik Bhaskar – 05/11/2025